Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में बुधवार
सायं 6:46 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सुबह 5:44 बजे

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 16 अंक 61 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | बुधवार, 21 अगस्त 2024

भारतीय थिएटर में वापसी करेंगे ...पेज-3 पर

News कॉर्नर

गैरसैंण पहुंचे हरीश रावत, उपवास के साथ बाद टॉर्च से खोजेंगे ग्रीष्मकालीन राजधानी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा का मानसून सत्र के पहले दिन पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता हरीश रावत गैरसैंण के रामलीला मैदान पहुंचे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वह अब वीर चंद्र सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद उपवास करेंगे। उनका कहना है कि वह उपवास के बाद टॉर्च से गैरसैंण की ग्रीष्मकालीन राजधानी को खोजने का काम करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन की रिपोर्ट देने के निर्देश

रुद्रपुर। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन चक्रपाणि मिश्र ने बताया कि परिवहन व्यवसायियों द्वारा की गई शिकायतों के क्रम में परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा इन्टरनेशनल सेंटर ऑफ ऑटोमोटिव टैक्नोलॉजी (आईसीएटी) को ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) का ऑडिट करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है, साथ ही परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) की ऑडिट आख्या प्राप्त होने तथा उस पर यथोचित निर्णय होने तक ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के साथ-साथ उप संभागीय कार्यालय में स्वस्थता जांच/प्रमाण पत्र जारी करने का विकल्प वाहन स्वामियों/चालकों को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। एआरटीओ ने बताया कि इस संबंध में 20 अगस्त को बस एवं ट्रक यूनियन के प्रतिनिधियों व विभिन्न वाहन चालकों से वार्ता कर उन्हें जागरूक किया गया है, साथ ही कार्यालय के दर्शनीय स्थल पर वाहन चालकों/स्वामियों के संज्ञानार्थ नोटिस लगाया गया है। उन्होने बताया कि मंगलवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय स्तर पर 12 वाहनों की फिटनेस संबंधी कार्यवाही की गई है।

गैरसैंण में विधानसभा का मानसून सत्र शुरू, दिवंगत विधायकों को दी श्रद्धांजलि

देहरादून/भराड़ीसैंण
हमारे संवाददाता

भराड़ीसैंण में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। विपक्ष ने सदन के अंदर और बाहर आपदा और कानून व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगी, जबकि प्रदेश सरकार ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए रणनीति बनाई है। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण की भराड़ीसैंण विधानसभा में तीन दिवसीय मानसून सत्र शुरू हो गया है। सत्र का आज पहला दिन है। सबसे पहले सदन में दिवगंत विधायकों को श्रद्धांजलि दी गई। वहीं, आज सदन पटल पर तीन विधेयक पेश किए जाएंगे। भराड़ीसैंण में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। विपक्ष ने सदन के अंदर और बाहर आपदा और कानून व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगी, जबकि प्रदेश सरकार ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए रणनीति बनाई है। भराड़ीसैंण में पहली बार मानसून सीजन में सत्र आयोजित हो रहा है। सत्र के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल समेत मंत्री व विधायक भराड़ीसैंण पहुंचे हैं। लगभग डेढ़ साल बाद सरकार के पहुंचने से भराड़ीसैंण में रौनक लौटी है।

> *विस सचिवालय ने सत्र की तैयारियां पूरी कर ली हैं। अफसरों को भी सुरक्षा व्यवस्था के साथ बिजली, पानी व अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू करने के निर्देश दिए गए हैं। सत्र व्यवस्थित और बेहतर ढंग से चलेगा। मुझे लग रहा, सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं।*
> *-ऋतु खंडूड़ी भूषण, विधानसभा अध्यक्ष*

तीन दिवसीय सत्र में प्रदेश सरकार की ओर से कल पांच हजार करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा। इसके अलावा कई विधेयक व प्रतिवेदन रिपोर्ट पटल पर रखी जाएगी। विपक्ष की ओर से केदारनाथ समेत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा, महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के बढ़ते मामले, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सदन के अंदर व बाहर सरकार को घेरने की रणनीति है, जबकि सत्ता पक्ष सदन में विपक्ष के हर सवाल का मजबूती के साथ जवाब देगा। विधानसभा सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के सवाल सदन को गरमाएंगे। विधानसभा सचिवालय को 500 से अधिक सवाल मिले हैं। इन सवालों पर सदन में चर्चा की जाएगी।

गाड़ियों के उड़े परखच्चे, कई घायल

कार ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर गर्भवती महिला समेत 4 की मौत

रुद्रपुर
हमारे संवाददाता

हादसे में मृतकों की फाइल फोटो व हादसे में क्षतिग्रस्त वाहन।

जनपद मुख्यालय पर एक बड़ा दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में टुकटुक चालक,एक गर्भवती महिला समेत 4 महिलाओं की मौत हो गई। जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई।

दोनों में से एक बरेली और दूसरी शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसडीएम की मौजूदगी में शवों का पंचनामा की कार्रवाई की गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक हादसा देर रात नैनीताल हाईवे थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र का है। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर इंस्पेक्टर भारत सिंह समेत अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने टुकटुक चालक व एक महिला को मृत घोषित कर दिया। जबकि गर्भवती महिला और दो अन्य महिलाओं को हायर सेंटर के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक गर्भवती महिला की हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल में मृत्यु हो गई। जबकि अन्य दो घायल महिलाओं में एक बरेली भेजा गया।

दूसरी को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जानकारी मिलने पर भूरारानी, सुभाष कालोनी समेत क्षेत्र के तमाम लोग मोर्चरी में पहुंच गए। पूर्व पार्षद मोहन खेड़ा, संजय ठुकराल, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा, महामंत्री मनोज छाबड़ा आदि पहुंचे। उधर इंस्पेक्टर भारत सिंह ने बताया कि ने बताया कि एसडीएम मनीष बिष्ट की मौजूदगी में मोर्चरी में रखे गए शवों का पंचनामा की कार्रवाई की गई। शव पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिवार में कोहराम मच गया।

..... रुद्रपुर हादसे से...पेज 4 पर

बलात्कार के दोषियों को फांसी देने की मांग को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

विश्व हिंदू महासंघ से जुड़े लोगों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज पश्चिम बंगाल में महिला डाक्टर के साथ हुई घटना के दोषियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग उठाई है।

महासंघ से जुड़े लोग बुधवार को एसडीएम कोर्ट परिसर पहुंचे और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी परितोष वर्मा को सौंपा। इस दौरान महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रदीप बर्गली ने कहा कि बीती नौ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में बलात्कार की शिकार हुई महिला चिकित्सक व बीती 12 अगस्त को देहरादून आईएसबीटी में रोडवेज बस में किशोरी के साथ हुई घटना निंदनीय है। महासंघ ने इन घटनाओं के दोषियों को फांसी दिये जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में अंकित सिंह, राहुल गोस्वामी, सागर सिंह, गौतम सिंह, ललित मोहन, राजेंद्र सिंह, सपना, अजय सक्सेना, विशाल वर्मा, नमन सिंह आदि शामिल थे।

जब निर्णय बदला: विमान से नियंत्रण खोने के बाद उनके साथ विमान में दिखे थे गुरुहरि बाबा

नैनीताल
अफजल फौजी

वर्ष 1996 में पूर्वोत्तर में पायलट बाबा बतौर पायलट मिग 21 उड़ा रहे थे कि वापस लौटते समय विमान में तकनीकी खराबी आ गई और अचानक उनका नियंत्रण विमान से खो गया काफी कोशिश के बाद भी स्थिति अनियंत्रित हो गई थी, ऐसी स्थित में अगर विमान क्रैश करता तो उनका बचाना तकरीबन नामुमकिन था, तभी उन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु को याद किया, उसके बाद उन्हें लगा कि उनके गुरु हरि बाबा उनके साथ विमान में मौजूद हैं, इसके बाद पायलट बाबा विमान को बेस पर सुरक्षित उतारने में सफल रहे। यहां से उन्होंने तय किया कि वह अब आगे आध्यात्मिक जीवन यापन करेंगे। पायलट बाबा ने बिग विमान हादसे से बचने के बाद 36 साल की उम्र में भारतीय वायु सेना से रिटायरमेंट ले लिया था। इसके बाद उन्होंने हिमालय में 16 साल तपस्या की आज भारत समेत अमेरिका, यूरोप तथा जापान सहित दुनिया भर में उनके हजारों भक्त हैं।

.....मुखड़े में निधन पेज 2 पर

आरक्षण निर्णय के विरोध में एक दिवसीय विशाल धरना

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 1अगस्त 2024 को एस सी, एस टी, समुदाय के आरक्षण संबंधित प्रदत्त अभिनिर्णय के विरोध में प्रात: 10:00 बजे से 2बजे तक एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया जिसमे अनेकों संगठनों ने भाग लिया।

धरने के बाद 2:15 बजे बुद्ध पार्क से नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय तक एक रैली निकाल कर श्रीमान नगर मजिस्ट्रेट महोदय के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया को एक ज्ञापन प्रेषित किया गया, ज्ञापन में मांग की गई कि माननीय सर्वोच्च नियायालय द्वारा दिनांक 1अगस्त को प्रदत्त अभिनिर्णय से अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के संगठनों में घोर असंतोष है जिसके द्वारा इन वर्गों के क्रिमिलेयर को आरक्षण से वंचित किया गया है तथा साथ ही उपवर्गीयकरण किये जाने हेतु राज्यों को निर्देशित किया गया है जबकि 7 जजों की उसी पीठ ने शामिल माननीय न्यायमूर्ती बेला त्रिवेदी द्वारा उक्त अभिनिर्णय से अपनी असहमति ज़ाहिर की तथा इसको संवैधानिक अनुच्छेद 341, 342 तथा अनुच्छेद 14 व 16(4) के विरुद्ध बताया गया है। अत्यंत अफ़सोस के साथ कहना पड़ रहा है कि भारतीय संविधान को लागू हुए लगभग 75 वर्ष की अवधि पूर्ण होने जा रही है, अभी तक सरकारी सेवाओं में अनुसूचित जाति एवं जनजाति का निर्धारित आरक्षण कोटा पूर्ण नहीं हो पाया है जो कि इन वर्गों के साथ सरासर अन्याय है। अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय यह भी मांग करते हैं कि आरक्षण कोटे के बैकलॉग को विशेष भर्ती अभियान द्वारा पूर्ण किया जाये तथा इन वर्गों के असंवैधानिक क्रिमिलेयर व उपवर्गीयकरण के निर्णय को समाप्त किया जाए तथा जो संवैधानिक आरक्षण के मूल उद्देश्य को ही समाप्त कर रहा है! यह भी मांग करते हैं कि विशाल निजी क्षेत्र में भी अनुसूचित जाति /जनजाति के संवैधानिक आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अत: हम सभी संगठन एक स्वर में सरकार से मांग करते हैं कि सरकार सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त अधिनिर्णय को निष्प्रभावी किये जाने हेतु शीघ्र ही संसद में विधेयक लाकर इन वर्गों के असंवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा करें साथ ही यह भी मांग करते हैं इन वर्गों के आरक्षण के विषय को संविधान की नौवीं अनुसूचि में डाल दिया जाए ताकि इन्हें सामाजिक न्याय मिल सके व इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए! कार्क्रम में बी एल आर्य, जी आर टम्टा, नफीस अहमद खान, सुंदरलाल बौद्ध, कैलाश पांडे, जितेंद्र कुमार वर्मा, शिव गणेश, हरीश लोधी, विकास कुमार, राजेंद्र सिंह कुटियाल, गजेंद्र सिंह पांगती, देवेंद्र सिंह धर्मसत्तू, भूपेंद्र सिंह पांगती, सिराज अहमद, इशरत सैफी, अहमद अली, खड़क सिंह जंगपागी, डी एस धर्मसत्तू, मुकेश चंद्र बौद्ध, गजेंद्र पाल सिंह, आर पी गंगोला, दीपक चनियाल, मोहनलाल आर्य, जी आर आर्य, रितिक कांत, एड गंगा प्रसाद, भूपेंद्र सिंह पांगती, चंद्र सिंह मार्टलिया, केदार सिंह पांगती, आई एस पांगती धीरेन्द्र सिंह पांगती, एस एस जंगपागी, डॉ जे आर आर्य, देवेंद्र सिंह धर्मसत्तू, डी आर धौनी, प्रकाश बेरी, ललित प्रसाद, वेद प्रकाश आर्य, उमेश चंद्र टम्टा, हरेंद्र पाल, अंजू विनोद, सरोजनी देवी, पर्मिला देवी, आनंद राम आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

पायलट बाबा का मुबई में निधन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

देश के जाने माने संत कपिल अद्वैत सामनाथ गिरी (पायलट बाबा) का मंगलवार को निधन हो गया। वह करीब 90 वर्ष के थे। पायलट बाबा जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर भी थे,वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे जिसके चलते उनका मंगलवार को निधन हो गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें हरिद्वार में समाधि दी जाएगी, पायलट बाबा के इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से उनके निधन की जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर लिखा गया ओम नमो नारायण, भारी मन से और अपने प्रिय गुरुदेव के प्रति गहरी श्रद्धा के साथ दुनिया भर के सभी शिष्यों तथा भक्तों को सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य गुरुदेव महायोगी पायलट बाबाजी ने आज महासमाधि ले ली है। उन्होंने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया है। बाबा के

इंस्टा अकाउंट से लिखा गया कि यह समय हम सभी के लिए अपने घरों में रह कर प्रार्थना करने का है, कृपया परेशान न हों, यह समय शांत रहने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने का है। आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

बता दें कि पायलट बाबा का जन्म रोहतास जिले के बिशनपुरा गांव में वर्ष 1938 में हुआ था, उनके पिता का नाम चंद्रमा सिंह और माता का नाम तपेश्वरी देवी था, उन्होंने काशी विश्व हिंदू विश्वविद्यालय से ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में एमएससी की शिक्षा प्राप्त की थी, इसके बाद वह भारतीय वायु सेना में बतौर पायलट भर्ती हो गए, पायलट बाबा ने साल 1962 के भारत चीन युद्ध में हिस्सा लिया, इसके अलावा 1965 और 1971 के युद्ध में भी उन्होंने हिस्सा लिया था लेकिन बाद में उन्होंने संन्यास ले लिया, उनका नाम कपिल अद्वैत सामनाथ गिरी था, लेकिन भक्तों में वह पायलट बाबा के नाम से जाने जाते थे। वह योग विद्या में सिद्धस्थ थे, पायलट बाबा लंबे समय तक समाधि या मुत्यु जैसी शारीरिक अवस्था में प्रवेश करने के लिए जाने जाते थे, उनकी समाधि प्राय: जमीन के नीचे होती थी।

आधा दर्जन पुस्तकों की रचना भी की

भारत में पायलट बाबा के महत्वपूर्ण आश्रम स्थित हैं जिनमें सासाराम, हरिद्वार व नैनीताल एवं उत्तरकाशी के आश्रम हैं। इसके अलावा अमेरिका, यूरोप समेत दुनियाभर में भी उनके कई आश्रम स्थित है। पायलट बाबा द्वारा आधा दर्जन पुस्तकों की रचना भी की गई। जिसमें कैलाश मानसरोवर ज्ञान के मोती, हिमालय के रहस्यों को जाने, अंतर्यात्रा तथा आप से स्वयं तक की तीर्थयात्रा एवं हिमालय कह रहा है शामिल हैं।

भारतीय वायु सेवा में विंग कमांडर रहे महायोगी बाबा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

महायोगी पायलट बाबा के महाप्रयाण के बाद नैनीताल जिले के गेठिया स्थित पायलट बाबा आश्रम में सन्नाटा पसरा हुआ है। मूल रूप से बिहार निवासी और भारतीय वायु सेवा में विंग कमांडर रहे महायोगी पायलट बाबा ने गेठिया में वर्ष 1980 के दौरान आश्रम की स्थापना की जो वर्तमान में एक बड़े आश्रम के तौर पर स्थापित हो चुका है।

आश्रम में देवी देवताओं की दर्जनों मूर्तियां स्थापित हैं, लगभग 100 कमरे वाले आश्रम में हनुमान जी की 50 फ ीट और गणेश जी की 18 फीट ज्यादा ऊंची मूर्ति तथा प्रवेश द्वार में जल सेवा के लिए बनी गाय जिसके थनों से पेय जल मिलता है, आकर्षण का केंद्र है। आश्रम में भ्रमण के लिए बड़ी संख्या में लोग वर्ष भर यहां पहुंचते हैं। गेठिया आश्रम में बाबा ने कई बार और जापानी शिष्या द्वारा एक बार जमीन के नीचे समाधि ली गई। आश्रम स्थापना के बाद लंबे समय तक हर दूसरे तीसरे वर्ष विशाल धार्मिक आयोजन होते रहते थे बीते वर्ष 2023 जून में बाबा आखरी बार एक दिन के प्रवास में आए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बाबा के निधन का समाचार सुनने के बाद गेठिया स्थित उनके आश्रम में तुरंत पूजा पाठ आदि का सब कार्यक्रम बंद कर दिया गया है।

महंत सिद्धार्थ गिरी ने बताया कि बाबा जी के पार्थिव शरीर को मुंबई से हरिद्वार स्थित उनके आश्रम में भक्तों के दर्शन के लिए लाया जा रहा है। जहाँ उनके पार्थिव शरीर के दर्शन के उपरांत अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्राप्त जानकारी से यह भी ज्ञात हुआ है कि देश विदेशो से उनके भक्त एवं अनुयायी उनके दर्शनाथ एवं अंतिम यात्रा के लिए हरिद्वार पहुंच रहे हैं।

मल्ला ब्यूरा वार्ड में बारिश से खतरा नगर निगम की टीम ने किया निरीक्षण

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

काठगोदाम से लगे मल्ला ब्यूरा हीरागढ़ दिलीप सिंह वार्ड में भूस्खलन की संभावना के मद्देनजर निवर्तमान मेयर व नगर आयुक्त ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कहा कि वार्ड के घरों में बरसाती पानी घुसने से खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने बताया कि जंगल क्षेत्र से आ रहे पानी की निकासी बेहतर न होने के कारण यह स्थिति पैदा हो रही है। पूर्व में जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर निगम के एई ने मौका मुआयना भी किया था। इधर बीते दिन बारिश अधिक होने के बाद वार्ड के घरों में खतरा पैदा हो गया। इसका संज्ञान लेते हुए बुधवार को नगर आयुक्त विशाल मिश्रा व निवर्तमान मेयर जोगेंद्र रौतेला टीम के साथ मल्ला ब्यूरा पहुंचे और लोगों को जल्द ही समस्या के निराकरण का भरोसा दिलाया। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, नवीन पांडे, शीतल भट्ट, भुवन तिवारी, कौशल जोशी, हरीश जोशी, पंकज बिष्ट, भूवन भारती, दिनेश तिवारी, नित्यानंद धर्म सिंह कर, प्रयागदत्त, आनंद बिष्ट, कांडपाल, कमला गढ़िया, कमला जोशी, सोबन सिंह, सौरभ जोशी, शिव सिंह, कमला बिष्ट, लक्ष्मण सिंह आदि मौजूद थे।

अनुपस्थित चल रहे पांच डॉक्टरों को प्रबन्धन की ओर से अंतिम नोटिस जारी

नैनीताल

हमारे संवाददाता

राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे पांच डॉक्टरों को प्रबन्धन की ओर से अंतिम नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब न देने पर डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी बात कही है।

बता दें कि बीते लंबे समय से नैनीताल के राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में दो सर्जन, एक मनोचिकित्सक तथा एक रेडियोलॉजिस्ट व एक निश्चेतक अनुपस्थित चल रहे हैं जिसके चलते जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि कई बार के नोटिस जारी करने के बाद भी डॉक्टरों की ओर से अनुपस्थित डाक्टरों की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है। जिसके चलते अब उनको अन्तिम नोटिस जारी किया गया है। मामले में जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. तरुण कुमार टम्टा ने बताया कि आर्थो सर्जन डॉ. अर्जुन रावल 18 मई 2024, निश्चेतक डॉ. प्रतिमा टम्टा एक नवंबर 2023, मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पांडे 2 दिसम्बर 2022 जबकि सर्जन डॉ. देवेंद्र मेहरा 22 अप्रेल 2022 जबकि रेडियोलॉजिस्ट डॉ. रोहित रखोलिया 26 जुलाई 2023 से अनुपस्थित चल रहे हैं, जिनको अंतिम नोटिस जारी कर दिया गया है। नोटिस का जवाब न देने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

NEWS / फटाफट

मल्लीताल में प्राधिकरण ने अवैध निर्माण ध्वस्त कर किए

नैनीताल । जिला मुख्यालय नैनीताल में हो रहे अवैध निर्माणों पर जिला विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को मल्लीताल क्षेत्र में प्राधिकरण ने दो अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। बता दें कि पर्यटन सीजन के दौरान नैनीताल में प्रशासन के स्वस्त रहने के चलते लोगों ने शहर में जमकर अवैध निर्माण किए। जिसको लेकर अब जिला विकास प्राधीकरण की ओर से अभियान चला दिया गया है। अभियान के तहत प्राधीकरण की टीम ने मंगलवार को नैनीताल के मल्लीताल क्षेत्र में निरीक्षण किया। इस दौरान टीम को अवैध निर्माण होते मिले। जिस पर प्राधिकरण की टीम ने अवैध निर्माण रोककर ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। प्राधिकरण सचिव विजय नाथ शुक्ल ने बताया कि मल्लीताल चार्टन लॉज निवासी दिलीप सिंह व धूपकोठी निवासी मो. इदरीश की ओर से अवैध रूप से भवन का निर्माण किया जा रहा था। बताया कि दोनों के अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए हैं। इस दौरान अवर सहायक अभियंता हेम उपाध्याय व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज को दिये आरक्षण को लागू करने की मांग

नैनीताल। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार द्वारा मंगलवार को सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार के माध्यम से भेजा गया। बता दें कि ज्ञापन का मुख्य विषय यह था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा वाल्मीकि समाज को अलग से आरक्षण दिये जाने की बात कही गयी है, उत्तराखंड सरकार से समस्त वाल्मीकि समाज निवेदन करता है कि वाल्मीकि समाज को दिये गए आरक्षण को जल्द से जल्द लागू करने की कृपा की जाए। ज्ञापन देने वालों में समाज के अध्यक्ष धर्मेश प्रसाद, सफाई मजदूर संघ देवभूमि उत्तराखंड के सचिव सोनू सहदेव, मंडल सचिव मनोज वेदी, नगर सचिव गौरव हार्पर, मयंक, त्रिलोचन टांक, कुनाल बेदी, दिनेश रत्नाकर, कमल कुमार, शनि चौहान, विक्की सिलेलान, विकास टाँक, अमित सहदेव तथा संजय आदि उपस्थित थे।

कैंची धाम व्यापार मंडल का गठन, अखिलेश अध्यक्ष बने

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष नैनीताल विपिन गुप्ता की संस्तुति पर जिला महामंत्री हर्षवर्धन पांडे ने कैंची धाम इकाई का गठन कर अखिलेश सेमवाल को अध्यक्ष व संतोष जीना को महामंत्री मनोनीत किया है। इस बीच नवमनोनीत पदाधिकारियों ने निष्ठा के साथ संगठन व व्यापारियों के हित में काम करने का आश्वासन दिया कैंची धाम इकाई के गठन पर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद गोयल, भीमताल इकाई के अध्यक्ष सौरभ रौतेला, रामपाल गंगोला, प्रवीण पटवाल, पंकज जोशी, भगवत बिष्ट, जनक राज उत्पल, किशन सिंह नेगी, मारुति नंदन साह, जगदीश बवाड़ी, धर्मेंद्र नेगी, पवन जोशी, पवन वर्मा, नंदकिशोर लाला जायसवाल, प्रदीप सब्बरवाल, शिव कपूर, जिलाध्यक्ष महिला कुसुम दिगारी, महामंत्री उर्वशी बोरा, महानगर अध्यक्ष हल्द्वानी योगेश शर्मा, महामंत्री मनोज जायसवाल, गोविंद भाकुनी, भुवन जोशी आदि ने हर्ष जताया है।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के भीमताल में नशे के दुष्परिणामों के बारे में छात्रों को जागरूक किया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के भीमताल परिसर में मंगलवार को प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक प्रभावशाली जागरूकता सत्र का आयोजन हुआ। इस सत्र का शीर्षक था नशे को कहो न जीवन को कहो हाँ, जिसमें साईं कृपा नशा मुक्ति केंद्र हल्द्वानी के दुष्यंत आहुजा और उनकी टीम ने नशे के दुष्परिणामों के बारे में छात्रों को जागरूक किया।

पत्र के दौरान आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्रों का उद्देश्य अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करना और एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाना होता है लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नशे की ओर एक लापरवाह कदम जीवन और कैरियर को पूरी तरह से बदल सकता है। उन्होंने छात्रों को सचेत किया कि नशे का पहला प्रयोग एक गंभीर आदत का कारण बन सकता है जिससे बचना अत्यंत आवश्यक है। साईं कृपा टीम ने नशे के दुष्परिणामों को समझाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जो कि जीवन के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। यह नाटक छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने और नशे के खतरों को बेहतर ढंग से समझने में सहायक साबित हुआ। इस जागरूकता सत्र ने छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से बचने और एक स्वस्थ तथा समर्पित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान भीमताल परिसर के निदेशक, विभागाध्यक्ष और फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित थे जिन्होंने साईं कृपा नशा मुक्ति केंद्र की इस महत्वपूर्ण पहल की सराहना की। निदेशक ने साईं कृपा टीम के प्रयासों की विशेष प्रशंसा की और उनके योगदान को विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

अभिमत

राज्यों की लापरवाही

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने जनता के स्वास्थ्य के प्रति राज्य सरकारों की लापरवाही का खुलासा किया और स्वास्थ्य मिशन के लिए धन में कटौती को लेकर विपक्ष के आरोप का जवाब दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य पिछले साल के बजट में आवंटित 4200 करोड़ रुपये में से सिर्फ 1806 करोड़ रुपये खर्च कर पाये। केन्द्र सरकार ने धन दिया और राज्य खर्च नहीं कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के इस कथन का उत्तराखंड के लिए विशेष महत्व है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्र में चिकित्सा के अभाव में अनेक लोग दम तोड़ जाते हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य सरकारों से स्वास्थ्य ढांचे में सुधार के लिए अधिक खर्च करने का आग्रह किया है। स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने जनता के स्वास्थ्य के प्रति राज्य सरकारों की लापरवाही का खुलासा भी किया और स्वास्थ्य मिशन के लिए धन में कटौती को लेकर विपक्ष के आरोप का जवाब दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य पिछले साल के बजट में आवंटित 4200 करोड़ रुपये में से सिर्फ 1806 करोड़ रुपये खर्च कर पाये। केन्द्र सरकार ने धन दिया और राज्य खर्च नहीं कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के इस कथन का उत्तराखंड के लिए विशेष महत्व है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्र में चिकित्सा के अभाव में अनेक लोग दम तोड़ जाते हैं। गर्भवती महिलाओं के प्रसव की उचित व्यवस्था नहीं होने से कई बार प्रसूता और नवजात की मौत तक हो जाती है। उत्तर प्रदेश का हिस्सा होने पर माना जाता था कि राज्य सरकार पर्वतीय क्षेत्र पर ध्यान नहीं दे रही है और पहाड़ का विकास नहीं हो पा रहा है। पिछड़े पर्वतीय क्षेत्र को अलग राज्य बनाने के लिए लम्बे अर्से तक आंदोलन चला। वर्ष 2000 में पृथक उत्तराखंड राज्य का गठन किया गया। सिर्फ दो कमिश्नरियों के राज्य में परिसीमन करके विधानसभा क्षेत्र छोटे कर दिये गये। उत्तर प्रदेश का हिस्सा होने पर 22 विधानसभा क्षेत्र थे। अब उत्तराखंड में 70 विधानसभा क्षेत्र हैं। तीन गुने विधायक और राज्य में दर्जनभर मंत्री, कई दर्जन दर्जा राज्य मंत्री होने के बाद भी पर्वतीय क्षेत्र का पिछड़ापन दूर नहीं हुआ। पर्वतीय क्षेत्र के लोग रोजी-रोटी के लिए पलायन कर रहे हैं। गांव के गांव खाली होते जा रहे हैं। चिकित्सा जैसी अनिवार्य सुविधा का अभाव है। राज्य का गठन होने के बाद 24 साल से कांग्रेस और भाजपा का शासन रहा है। केन्द्र में चाहे किसी भी पार्टी की सरकार रही, उत्तराखंड को भरपूर बजट मिला। अब तो डबल इंजन की सरकार है। केन्द्र और राज्य में भाजपा की सरकार है तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री कह रहे हैं कि स्वास्थ्य के लिए दिये गये बजट को राज्य खर्च नहीं कर रहे हैं। इस मामले में सबसे पहले उत्तराखंड सरकार को जवाब देना होगा। पर्वतीय राज्य होने के कारण उत्तराखंड में विषम भौगोलिक परिस्थितियां हैं। हर मौसम में प्राकृतिक आपदा से गुजरना पड़ता है। गर्मी के मौसम में वनों में आग लगने से लोग झुलस जाते हैं। बरसात में बादल फटने, भूस्खलन होने से लोग घायल होते हैं। शीतकाल में बर्फबारी और हिमस्खलन से दैवीय आपदा का सामना करना पड़ता है। सभी तरह की दुर्घटना में चिकित्सा की जरूरत होती है। पर्वतीय क्षेत्र में दुर्घटना पीड़ितों के इलाज के लिए ट्रामा सेंटर तो दूर की बात सामान्य बीमार के उपचार तथा गर्भवती महिलाओं के प्रसव की व्यवस्था नहीं है। केन्द्र से मिले धन को पूरा खर्च करके चिकित्सा सेवा को सुदृढ़ किया जाना चाहिए।

बिंदुखेड़ा छत्तरपुर मार्ग की बदहाली से भड़के लोग

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

नेशनल हाईवे बिन्दुखेड़ा मोड से छत्तरपुर डाम तक जोड़ने वाले लगभग 4 किलो मीटर सड़क के निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्र के तमाम लोगों ने लोक निर्माण विभाग में प्रदर्शन कर अधिशासी अभियंता का घेराव किया।

इस दौरान लोगों ने क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में क्षेत्र के तमाम लोग एकत्रित होकर इंदिरा चौक स्थित लोक निर्माण विभाग कार्यालय पहुंचे और उन्होंने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अधिशासी अभियंता का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सभा के अन्तर्गत आने वाले मार्ग नेशनल हाइवे 74 से बिन्दु खेडा छत्तरपुर को जाने वाले मार्ग की स्थिति काफी दयनीय है। इस मार्ग पर गहरे गड्ढे हो चुके है। पिछले 12 वर्षों ना कोई मरम्मत हुई और ना ही मार्ग का निर्माण किया गया। रोड पर 12 गाव और कई राइस मिले, दो पाश कालोनी और भी कई छोटे छोटे ओद्योगिक इकाईयां है। इसी मार्ग से रुद्रपुर दानपुर व बगवाला के स्कूलो बच्चे स्कूल जाते है। बताया कि कई बार धान, गेहूं की ट्रालीयां पलट चुकी है। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि जर्जर सड़क की शीघ्र निर्माण कराय जाए। ताकि क्षेत्र के लोगों को राहत मिले। साथ ही चेतावनी दी कि अगर सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान तजेंदर सिंह विर्क, संदीप चीमा,सुखविंदर सिंह, मनमोहन सिंह, सुरजीत सिंह, सुदामा सिंह, जगदीश ठाकुर, प्रीतम सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुरजीत कौर, सुन्दरा कौर, जसपाल कौर, वीनू, लक्ष्मी कौर, हरबजन , अंकित छाबडा आदि शामिल थे।

चेतावनी

- **पूर्व विधायक ठुकराल के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने दी चेतावनी जल्दी निर्माण कार्य शुरु नहीं किया तो होगा आंदोलन**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम संजना अग्रवाल से बदलकर संजना विक्रमादित्य जायसवाल रख लिया है। अत: भविष्य में मुझे संजना विक्रमादित्य जायसवाल नाम से जाना पहचाना जाए। - **संजना विक्रमादित्य जायसवाल, पत्नी विक्रमादित्य जायसवाल, कृष्णा विहार, बल्यूटिया फार्म, मल्ली बमौरी, हल्द्वानी (नैनीताल)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा वास्तविक नाम विक्रम सिंह बर्गली पुत्र चंदन सिंह बर्गली निवासी ग्राम पतलिया, कोटाबाग, नैनीताल उत्तराखंड है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। - **विक्रम सिंह बर्गली पुत्र चंदन सिंह बर्गली निवासी ग्राम पतलिया, कोटाबाग(नैनीताल)**

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना को देखते हुए अस्पताल में भी सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना को देखते हुए मंगलवार को नैनीताल स्थित राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में भी सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई है।

प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा.तरुण कुमार टम्टा की अध्यक्षता में बैठक कर डॉक्टरों ने अस्पताल को सीसीटीवी कैमरों से लैस करने के साथ अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं पर अपनी राय दी।

बता दें कि बीते दिनों कोलकाता में हुई घटना के बाद हर ओर अस्पतालों में महिला डॉक्टरों तथा महिला स्टाफ की सुरक्षा की मांग उठ रही है जिसको लेकर बीते शनिवार को बीडी पांडे जिला अस्पताल के डॉक्टरों व अन्य तकनीकी स्टाफ ने प्रदर्शन किया था, जिसके बाद मंगलवार को अस्पताल प्रबंधन की ओर से बैठक कर सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए सुरक्षा कर्मी व अस्पताल के खराब सीसीटीवी कैमरों को सही कराने को लेकर विचार रखे। इस दौरान डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान में चिकित्सालय में आठ पीआरडी जवान कार्यरत हैं, इसके अतिरिक्त महिला चिकित्सालय में तीन चौकीदार भी कार्यरत हैं। जिनकी ड्यूटी तीन शिफ्टों में लगाई जाती है जिसमें एक शिफ्ट में तीन पीआरडी जवान ही तैनात रहते हैं। जिनको सीटी तथा डंडा व टार्च देने की बात कही गई, साथ ही महिला वार्ड में लगे खराब कैमरों को भी सही कराने का निर्णय लिया। इसके अलावा भी चिकित्सालय के पिछले गेट व ऑक्सीजन जनरेशन प्लान्ट के पास सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस दौरान बैठक में डा. द्रौपदी गर्ब्याल, डा. संजीव खर्कवाल, डा.महिमन सिंह दुग्ताल समेत डा. अनिरुद्ध गंगोला तथा मनोज कुमार पाण्डे व मेट्रन शशिकला पाण्डे आदि मौजूद थे।

फिल्मी दुनिया

भारतीय थिएटर में वापसी करेंगे फवाद खान

फवाद खान को आखिरी बार भारतीय सिनेमाघरों में साल 2016 में करण जौहर की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में देखा गया था। अब, आठ साल बाद अभिनेता देश में स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं क्योंकि उनकी सबसे बड़ी हिट द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट के अगले महीने भारत में रिलीज होने की संभावना है। 2022 की एक्शन ड्रामा अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पाकिस्तानी फिल्म और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पंजाबी फिल्म है। द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट पहले 30 दिसंबर, 2022 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेतृत्व में कई राजनीतिक दलों के विरोध के कारण इसकी रिलीज स्थगित कर दी गई थी। अब करीब दो साल बाद खबर आई है कि जी स्टूडियोज पाकिस्तानी फिल्म को 20 सितंबर 2024 को भारत में रिलीज करने की योजना बना रहा है। द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट में माहिरा खान, हमजा अली अब्बासी और हुमैमा मलिक भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक्शन ड्रामा मौला जट्ट और नूरी के बीच प्रतिद्वंद्विता की क्लासिक कहानी की फिर से कल्पना करता है। जहां मौला जट का किरदार फवाद खान ने निभाया है, वहीं हमजा अली अब्बासी ने प्रतिपक्षी नूरी की भूमिका निभाई है। द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट को बिलाल लशरी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म ने अपने निर्देशन, अभिनय, संगीत, एक्शन सीन और बैकग्राउंड स्कोर के लिए दर्शकों और आलोचकों से काफी प्रशंसा बटोरी थी। इसने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए और 100 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश करने वाली पहली पाकिस्तानी फिल्म बन गई।

उनकी पहली फिल्म रही वार

फवाद खान अभिनीत यह बिलाल लशरी द्वारा निर्देशित दूसरी फिल्म है। उनकी पहली फिल्म वार में शान शाहिद, मीशा शफी, अली अज़मत, शमून अब्बासी, आयशा खान और कामरान लशारी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं। वह साल 2013 में रिलीज के समय सबसे अधिक कमाई करने वाली पाकिस्तानी फिल्म रही थी।

कोलकाता में महिला डाक्टर से दरिंदगी मामले को लेकर चलाया हस्ताक्षर अभियान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी मे अखिल भारतीय महिला परिषद की ओर से कोलकाता में महिला डाक्टर के साथ हुए दुष्कर्म के मामले को लेकर नैनीताल में हस्ताक्षर अभियान मंगलवार को भी चलाया गया। परिषद के मुताबिक लगभग एक हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए। परिषद के प्रतिनिधियों के मुताबिक हस्ताक्षर अभियान चलाने का मुख्य मकसद साथ महिला बलात्कार एवं हत्या जैसे जघन्य अपराध पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में फांसी का कानून लागू होना चाहिए जिसको आम जनता का समर्थन है। मां बहनों का विनम्र निवेदन रहेगा कि महिला सुरक्षा में सख्त से सख्त कानून बनाया जाए। कहा कि दस हजार लोगों के सहमति पत्र के साथ जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को परिषद ज्ञापन भेजेगा। हस्ताक्षर अभियान में परिषद की अध्यक्ष मुन्नी तिवारी समेत स्टैंडिंग कमेटी की मैंबर मंजू कोटलिया, सदस्य व निवर्तमान पालिका सभासद गजाला कमाल, सदस्य मीनू बुलाकोटी, डा. सरस्वती खेतवाल व रेखा त्रिवेदी आदि मौजूद रही,परिषद के मुताबिक आने वाले दिनों में भी हस्ताक्षर अभियान जारी रहेगा।

News कॉर्नर

25 अक्टूबर तक होंगे उत्तराखंड में निकाय चुनाव

नैनीताल। उत्तराखंड में निकाय चुनाव 25 अक्टूबर (शुक्रवार) तक करा लिये जायेंगे। प्रदेश सरकार की ओर से यह अंडरटेकिंग मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश रितु बाहरी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की युगलपीठ के समक्ष दी गयी। बता दें कि उत्तराखंड में निकाय चुनावों को लेकर दायर मोहम्मद अनवर और मोहम्मद अनीस की ओर से दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सरकार की ओर से प्रमुख सचिव शहरी विकास नितिन भदौरिया अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और उन्होंने बताया कि आगामी 25 अक्टूबर (शुक्रवार) तक निकाय चुनाव संपन्न करा लिये जायेंगे। अदालत ने प्रमुख सचिव के बयान को रिकार्ड में दर्ज कर लिया। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि सितंबर पहले सप्ताह में राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कर दी जाएगी। इसके बाद अदालत ने सुनवाई के लिए सितम्बर दूसरे सप्ताह की तिथि तय कर दी। दायर जनहित याचिका में कहा गया कि प्रदेश सरकार निकाय चुनाव नहीं करा रही है।

तीन साल के बच्चे को करंट लगने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक निलंबित

सितारगंज। सितारगंज में जर्जर भवन को लेकर उच्चधिकारियों की ओर से जारी आदेशों को गंभीरता से नहीं लेने के कारण स्कूल में तीन साल के बालक को करंट लग गया। इस पर डीईओ (बेसिक) हरेंद्र कुमार मिश्रा ने प्रभारी प्रधानाध्यापक रामरूप सिंह राणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। 17 अगस्त को राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेमपुर के जर्जर भवन में जाने से आंगनबाड़ी के तीन वर्षीय छात्र को करंट लग गया। बीईओ भानु प्रताप कुशवाहा की जांच रिपोर्ट के बाद डीईओ बेसिक हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बिना देरी किए अगले ही दिन प्रभारी प्रधानाध्यापक के निलंबन के आदेश जारी कर दिए।

नर्स हत्याकांड में गठित एसआईटी ने जांच शुरू की

रुद्रपुर हमारे संवाददाता

नर्स हत्याकांड को लेकर एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी ने गठित एसआईटी ने जांच शुरू कर घटना स्थल पर पहुंच साक्ष्य संकलन के लिए फॉरेन्सिक फील्ड युनिट,बीडीएस तथा डॉग स्क्वायड के द्वारा घटना स्थल की गहनता से काम्बिंग सर्च आपरेशन चला कर साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है।

बता दें कि मूल रूप से गदरपुर हाल यूपी क्षेत्र डिबडिबा बिलासपुर निवासी एक महिला शहर के फुटेला अस्पताल में नर्स कार्यरत थी। 8 अगस्त को उसकी सड़ी गली लाश यूपी बार्डर खाली प्लाट में मिली थी। घटना स्थल भी यूपी का ही है। हालांकि बिलासपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया था। रुद्रपुर पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा कर बरेली निवासी आरोपी को जेल भेज दिया। इसके बावजूद परिवार के लोग पुलिस के खुलासे से संतुष्ट नहीं हैं और हत्या के पीछे कौन है,उसकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। बढ़ते दबाव को देखते हुए एसएसपी ने एसपी सिटी के नेतृत्व में एसआईटी गठित कर दी। हत्याकांड में गठित एसआईटी ने घटना के संबंध में की जा रही है गहन विवेचनात्मक कार्रवाई,घटना के विभिन्न पहलुओं पर ठोस तकनीकि तथा भौतिक साक्ष्य संकलन एकत्रित कर रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक एसआईटी एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने टीम में शामिल फॉरेन्सिक फील्ड युनिट, बीडीएस तथा डॉग स्क्वायड को लेकर घटना स्थल की गहनता से काम्बिंग कर सर्च आपरेशन चलाऊ। एसआईटी घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित कर रही है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रेष्ठ सीजन-2 का भव्य शुभारंभ

हल्द्वानी हमारे संवाददाता

बीएलएम एकेडमी में सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रेष्ठ सीजन 2 का दीप प्रज्वलन के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। बच्चों ने योगासन, स्पेल बी,कहानी सुनाओ और शब्द कौशल प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समूह योग परसीयस सदन प्रथम,एक्रिला सदन द्वितीय और सिफ़ियस सदन तृतीय स्थान पर रहे। पेयर योगा में देवांश, आयुष,सौम्या, हर्षिका, शौर्य और ओम तथा अभिजित और गौरव क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। रंगोली प्रतियोगिता में परसीयस सदन प्रथम, एक्रिला सदन द्वितीय और सिफ़ियस सदन तृतीय स्थान पर रहे स्पेल बी प्रतियोगिता में सीफियस सदन प्रथम, ओरियन सदन द्वितीय और एक्रिला सदन तृतीय स्थान पर रहे।

प्रबंधक साकेत अग्रवाल,सौम्या अग्रवाल तथा प्रधानाचार्या डा. गायत्री कँवर ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी निर्णायक की भूमिका में तनिशा रावत थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में योग एवं खेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के शिक्षकों ने सहयोग दिया।

विनियमितीकरण को कट आफडेट वर्ष 2024 निश्चित करने की गुजारिश

नैनीताल हमारे संवाददाता

उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ ने सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजकर दीर्घावधि से कार्यरत संविदा,तदर्थ व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को दस वर्ष की सेवा के आधार पर विनियमित करने के लिए कट आफडेट वर्ष 2024 निश्चित करने की विशेष गुजारिश की है।

महासंघ के अध्यक्ष भूपाल सिंह करायत तथा महामंत्री प्रशांत मेहता ने सीएम को भेजे गए ज्ञापन में कहा है कि राज्य में दीर्घावधि से कार्यरत संविदा,तदर्थ व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को दस वर्ष की सेवा के आधार पर विनियमित करने के लिए सरकार की ओर से अपनी सैद्धांतिक सहमति देना एक प्रशंसनीय कदम है जिसका महासंघ भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। महासंघ के दोनों पदाधिकारियों के मुताबिक कार्मिक राज्य हित के लिए उक्त निर्णय के क्रियान्वयन हेतु संज्ञान में लाया जाना है कि उत्तराखंड सरकार की ओर से समय-समय पर जारी संदर्भित शासनादेश क्रमशः वर्ष 2011,वर्ष 2013 के माध्यम से राज्य के कर्मचारियों का विनियतिकरण हुआ है तथा वर्तमान में अधिकतर कर्मचारी वर्ष 2008 के बाद के वर्षों से कार्यरत होकर विनियमितिकरण के लिए अर्ह हैं। इस दशा में उक्त विनियमितिकरण प्रक्रिया के लिए कट आफ डेट वर्ष 2024 करने से अधिकतर संविदा,तदर्थ व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को इसका हर संभव लाभ मिलेगा।

रुद्रपुर हादसे से परिवार में कोहराम, मोर्चरी में लगा जमावड़ा

रुद्रपुर हमारे संवाददाता

पुलिस के मुताबिक टुकटुक में सवार सभी जिला अस्पताल से लौट रहे थे। महिलाएं गर्भवती महिला ज्योत को दिखाने गये। अस्पताल में कार्यरत कर्मियों ने गर्भवती महिला को दो तीन में लाने की बात कह कर वापस कर दिया।

टुकटुक चालक नैनीताल हाईवे अटरिया मोड़ के नजदीक पहुंचा। तभी हल्द्वानी रोड की तरफ से आ रही तेज गति से कार ने टुकटुक को रौंद दिया। इससे टुकटुक में सवार सभी घायल हो गए थे। टुकटुक के तो परचकखे उड़ गए। एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी भी हादसे की जानकारी मिलने पर पर मोर्चरी पहुंचे और उन्होंने मृतक के परिजनों से मिल कर दुःख जताया। हादसे की जानकारी मिलने पर भूरारानी, सुभाष कालोनी समेत क्षेत्र के तमाम लोग मोर्चरी में पहुंच गए। पुलिस के मुताबिक मृतक के नाम ज्योति पत्नी रविन्द्र साहनी उम्र 25 गर्भवती निवासी भूरारानी हल्द्वानी में मौत हुई, उर्मिला स्वर्गीय लोहा साहनी उम्र 42, विभा पत्नी प्रमोद साहनी उम्र 36, टुकटुक चालक मनोज भूरारानी। घायलों में कांति देवी पत्नी दिनेश साहनी 38 राम मूर्ति अस्पताल बरेली में एडमिट है, ललिता पत्नी सुबोध साहनी 36 स्न रुद्रपुर के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

स्वास्थ्य विभाग को जरूरत है सुधारनेः मोहन

पूर्व पार्षद मोहन खेड़ा ने जिला अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज स्वास्थ्य को सुधारने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया है स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। अगर गर्भवती महिला को अस्पताल में भर्ती कर लिया जाता तो यह हादसा नहीं होता।

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संस्था नैनीताल की वार्षिक नियोजन बैठक

नैनीताल हमारे संवाददाता

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संस्था नैनीताल की वार्षिक नियोजन बैठक का आयोजन मंगलवार को जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय भीमताल में आयोजित हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यालय आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) एच बी चन्द ने कहा कि स्काउट प्रार्थना में ही वतन के वास्ते जीना वतन के वास्ते मरना तथा हमारा कर्म हो सेवा हमारा धर्म हो, सेवा जैसी पंक्तियों से राष्ट्र प्रेम एवं कर्त्तव्य परायणता के भाव को विकसित करने मे बल मिलता है। अतः स्काउट को भावनात्मक रूप से जुड़ कर एवं टीम भावना के साथ संचालित किया जाए। बैठक में जिला गाइड अयुक्त हेमलता जोशी तथा जिला संगठन आयुक्त सीमा सेन एवं चन्द्र लाल, जिला प्रशिक्षण आयुक्त महेंद्र सिंह सैनी एवं पुष्पा दर्मवाल, सहायक आयुक्त नगर नैनीताल शबनम, नगर आयुक्त के भीमताल के प्रतिनिधि के रूप मे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी माया जोशी तथा लीडर ट्रेनर एवं हल्द्वानी के सहायक स्काउट आयुक्त प्रतिनिधि डॉ. हिमांशु पांडे उपस्थित रहे।

बैठक में ब्लॉक सचिवों के रूप में कोटाबाग से कमलेश सती जबकि हल्द्वानी से हरीश पाठक, ओखलकांडा से सुशीला जोशी, बेतालघाट से दीपा पांडे, भीमताल से देवेन्द्र कुमार जबकि धारी से मनोज भंडारी तथा नगर नैनीताल से कुंदन सुयाल तथा रामनगर से तेज पाल गंगवार व नगर रामनगर से बी. एस .बंगारी जबकि रामगढ से गोपाल दत्त गुणवंत द्वारा विकास खण्ड वार प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई। बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त क्वार्टर मास्टर प्रकाश चंद्र समेत ट्रेनिंग काउंसलर शबनम सहित स्काउटर गाइडर प्रतिनिधि लीला जोशी, माया आर्या, उमा जोशी, बीना यादव, पंकज कुमार आर्या तथा दुर्गा प्रसाद आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिला सचिव आर. एस. जीना ने बताया कि इसी माह 27 से 29 अगस्त तक पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार वीरभट्टी में तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट गाइड हेतु राज्य पुरुस्कार जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है,उन्होंने शत प्रतिशत प्रतिभाग का आह्वान करने के साथ बताया कि ब्लॉक स्तर से आए सुझाव पर इस बार शिविर हेतु प्रत्येक बच्चों का पंजीकरण शुल्क जिला संस्था द्वारा दिया जाएगा। बैठक के दौरान स्टेट मीडिया करोसपौंडेंट डॉ. हिमांशु पांडे ने भारत स्काउट गाइड न्यूज चैनल सहित विभिन्न जानकारियां दी। बैठक के दौरान पिछली कार्यवाही की पुष्टि के साथ आगामी कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। संचालन जिला सचिव आर. एस. जीना द्वारा किया गया।

देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस अल्मोड़ा की डॉक्टर से अभद्रता

नैनीताल हमारे संवाददाता

देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रही अल्मोड़ा की डॉक्टर से एक व्यक्ति ने अभद्रता कर डाली। पिता के सामने डॉक्टर से अपशब्द कहे गए। काठगोदाम स्टेशन पहुंचने पर पीड़िता ने जीआरपी थाने में शिकायत की। घटना देहरादून में होने के कारण काठगोदाम में प्राथमिकी हुई। मगर विवेचना देहरादून जीआरपी को ट्रांसफर कर दी गई है। जीआरपी थाना काठगोदाम के इंचार्ज नरेश कोहली ने बताया कि महिला डॉक्टर अल्मोड़ा के एक सरकारी अस्पताल में तैनात हैं। सोमवार रात वह देहरादून से पिता के साथ अल्मोड़ा के लिए निकलीं। रात 11:30 बजे देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस की सीट बी-2 कोच में सवार हो गईं। इसी ट्रेन में देहरादून निवासी राजीव शर्मा अपनी पत्नी व बहन के साथ बी-1 कोच में सफर कर रहे थे। महिला डॉक्टर का आरोप है कि आरोपित राजीव ने उनके कोच में आकर अपने मोबाइल से उनका फोटो खींचा। विरोध किया तो आरोपित ने अभद्र भाषा का प्रयोग कर बदसलूकी की। वहीं, शोर सुनकर रात में टीटी सीट पर पहुंचे। बातचीत के बाद दोनों पक्ष शांत हो गए। मंगलवार की सुबह ट्रेन जैसे ही काठगोदाम स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन से उतरते समय दोनों पक्ष फिर से आमने-सामने आ गए। इसके बाद महिला डॉक्टर ने जीआरपी थाने में शिकायत की। चौकी इंचार्ज नरेश कोहली ने बताया कि घटना देहरादून से हरिद्वार के बीच की है। तहरीर के आधार पर राजीव शर्मा के विरुद्ध बीएनएस की नई धारा 352 यानी सार्वजनिक स्थान पर अपमानित करने पर प्राथमिकी की है।

नियमितीकरण को लेकर चलाया 47वें दिन भी जारी

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आह्वान पर नियमितीकरण को लेकर चलाया जा रहा धरना मंगलवार को 47वें दिन भी जारी रहा।

बता दें कि नैनीताल निगम मुख्यालय में महासंघ के महामंत्री कंचन चंदोला के नेतृत्व में निगम कर्मचारियों ने केव गार्डन परिसर में पौधारोपण किया। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि मंगलवार को भी आंदोलित निगम कर्मियों की मांग को मनवाने के लिए निगम कर्मचारियों ने निगम की इकाइयों के परिसर में पौधारोपण किया। कहा कि जब तक नियमितीकरण संबंधी नियमावली का शासनादेश नहीं होता है तब तक निगम का कर्मचारी पर्यावरण संरक्षण के तहत बृहद स्तर पर पौधारोपण व स्वच्छता कार्यक्रम चलाएंगे तथा निगम की इकाइयों में कार्य चलता रहेगा।

ग्रामीण इलाकों में तेंदुए का आतंक

अल्मोड़ा। हवालबाग विकासखंड के कसारदेवी, माट, मटेना, छाना सहित आसपास के गांवों में तेंदुए के आतंक से ग्रामीण दहशत में हैं। माट के संदीप बिष्ट ने कहा कि तेंदुआ एक सप्ताह के भीतर पांच से अधिक पालतू जानवरों को मार चुका है। उन्होंने वन विभाग से तेंदुए के आतंक से निजात दिलाने की मांग की। रेंजर मोहन राम आर्या ने बताया कि टीम प्रभावित क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही है।

लावारिसों के वारिस बने समाजसेवी, डेढ़ साल में 181 शवों का अंतिम संस्कार कराया

हल्द्वानी हमारे संवाददाता

लावारिसों के वारिस बने समाजसेवी। बीते डेढ़ साल में 181 से अधिक शवों का अंतिम संस्कार करा चुके हैं।

शहर के समाजसेवी इस पुण्य के कार्य को लंबे समय से कर रहे हैं। समाजसेवी हेमंत गोनिया ने बताया कि बीते डेढ़ साल में राजपुरा मुक्ति धाम में 100 लावारिसों शवों का अंतिम संस्कार कराया गया है। इसके अलावा बीते छह माह में रानीबाग विद्युत शवदाह गृह में 81 शवों का दाह संस्कार कराया गया है। समाजसेवियों ने इस नेक काम में अब तक एंबुलेंस किराया समेत अन्य सामग्री में 10 लाख से अधिक की राशि खर्च की है। गोनिया के अनुसार इस कार्य में दिशा सामाजिक संगठन हल्द्वानी, मुक्ति धाम समिति टनकपुर रोड हल्द्वानी, बागेश्वर के अमित रस्तोगी, रामनगर के हरीश जोशी, संतोष बल्यूटिया, रूपा अधिकारी, कविता बिष्ट, मयंक शर्मा समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी व व्यापारी सहयोग कर रहे हैं। गोनिया ने बताया कि इस कार्य को समाजसेवी स्वयं के खर्च व आपसी सहयोग से कर रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से भी इस कार्य में सहयोग की अपील की है। उन्होंने बताया कि लावारिस शवों को घाट तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस आदि में धनराशि खर्च होती है।